{ खुद के लिए जीने वाले की ओर कोई ध्यान नहीं देता पर जब आप दूसरों के लिए जीना सीख लेते हैं तो वे आपके लिए जीते हैं - परमहंस योगानंद }

सम्पादकीय

सीमा पर सतर्कता जरूरी

पाकिस्तान पर रखनी होगी कड़ी नजर

पाकिस्तानी सेना की ओर से जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा पर संघर्ष विराम का उल्लंघन और गोलीबारी किया जाना गंभीर मामला है। इसलिए और भी, क्योंकि पाकिस्तानी सेना ने गोलीबारी तब की, जब उसके सैनिकों के भारतीय सीमा में घुसने के दौरान वहां एक बारूदी सुरंग में विस्फोट हो गया। लगता है इससे ही बौखलाए पाकिस्तानी सैनिकों ने गोलीबारी करके अपनी खीझ मिटाई।

यह स्वाभाविक है कि भारतीय सुरक्षा बलों ने पाकिस्तान की ओर से की गई गोलीबारी का मुंहतोड़ जवाब दिया। यह उल्लेखनीय है कि दोनों देशों के बीच फरवरी 2021 से संघर्ष विराम समझौते को नए सिरे से लागू किया गया था। इसके बाद से आम तौर पर उसका पालन हो रहा है, लेकिन इसकी अनदेखी भी नहीं की जा सकती कि कई बार पाकिस्तानी सेना ने संघर्ष विराम का उल्लंघन भी किया है। ऐसा आम तौर पर आतंकियों की घुसपैठ कराने के उद्देश्य से किया गया है अथवा उनके खिलाफ भारतीय सुरक्षा बलों के अभियान को बाधित कराने के इरादे से। ध्यान रहे कि इन दिनों हमारे सुरक्षा बल पाकिस्तान से घुसपैठ करके आए आतंकियों के खिलाफ अभियान चलाए हुए हैं। हाल में उनसे कठुआ के जंगलों में मुठभेड़ भी हो चुकी है।

पाकिस्तानी सेना की ओर से संघर्ष विराम का उल्लंघन किस इरादे से किया गया, इसकी टोह लेने और सीमा पर सतर्कता बरतने के साथ ही इस पर भी विचार करना होगा कि सीमा पार से होने वाली आतंकियों की घुसपैठ पर कैसे रोक लगे? चूंकि सीमा पार से आतंकियों की घुसपैठ थमने का नाम नहीं ले रही है, इसलिए जम्मू-कश्मीर में छिटपुट आतंकी घटनाएं घटती रहती हैं। इससे जम्मू कश्मीर की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रश्न उठते रहते हैं और वहां हालात पूरी तौर पर सामान्य करने में कठिनाई भी होती है। खास बात यह है कि पिछले कुछ समय से पाकिस्तान प्रशिक्षित आतंकी कश्मीर के स्थान पर जम्मू संभाग में घुसपैठ कर रहे हैं।

स्पष्ट है कि इस इलाके से लगती पाकिस्तानी सीमा पर चौकसी बढ़ाए जाने की आवश्यकता है। नि:संदेह आवश्यकता इस पर भी विचार करने की है कि पाकिस्तान गुलाम कश्मीर में आतंकियों के जो प्रशिक्षण शिविर चला रहा है, उन्हें वह बंद करने के लिए कैसे बाध्य हो। जब तक आतंकियों के ये अड्डे चलते रहते हैं, तब तक उनकी घुसपैठ भी होती रहेगी।

पाकिस्तान भले ही दाने-दाने को मोहताज हो और अराजकता-अस्थिरता से जूझ रहा हो, लेकिन वह जम्मू कश्मीर को अशांत करने की अपनी हरकतों का परित्याग करने के लिए तैयार नहीं। इसका कारण भारत के प्रति उसकी घृणा है। भारत सरकार को इसका भी संज्ञान लेना चाहिए कि पाकिस्तान ड्रोन के जरिये पंजाब और जम्मू कश्मीर में हथियार और नशीले पदार्थ भेजने में लगा हुआ है। ऐसे में सीमा पर केवल सतर्कता बरतना ही पर्याप्त नहीं।

विशेष

भारत के भविष्य में निवेश का समय, वैश्विक प्रतिभाओं को लुभाने के केंद्र बन सकते हैं बड़े शहर

वर्तमान परिस्थितियों में भारत के पास ब्रेन ड्रेन यानी प्रतिभा पलायन के रुझान को पलटने का स्वर्णिम अवसर है। विदेश में रहने वाले बहुत से स्किल्ड प्रोफेशनल विभिन्न कारणों से स्वदेश वापसी के विकल्प पर गंभीरता से विचार कर रहे हैं। हालांकि इसे संभव बनाने के लिए केवल आर्थिक अवसर ही नहीं बल्कि जीवन स्तर के पहलू भी निर्णायक होंगे।

■ **प्रो. केवी सुब्रमण्यन**

बीते कुछ दशकों में भारत के श्रेष्ठ प्रतिभाशाली लोगों ने बेहतर अवसरों की तलाश में विदेश जाने को वरीयता दी है। विशेष रूप से अमेरिका इन प्रतिभाओं की प्राथमिकता में होता है। चूंकि अमेरिका में विदेशियों की आवक पर अंकुश के उपाय शुरू हो गए हैं, इसलिए भारत को इन लोगों के लिए देश में ही उचित अवसर तैयार कर इस रुझान को पलटने का अनूठा मौका है। अमेरिका में एच1वी वीजा और ग्रीन कार्ड की राह कठिन करने की तैयारी हो रही है तो विदेश में बसे भारतीय भी स्वदेश वापसी की संभावनाएं तलाश रहे हैं, बशर्ते कि उन्हें यहां अनुकूल आर्थिक अवसरों के साथ ही एक अच्छा रहन-सहन मिल सके।

ऐसा नहीं है कि भारत में अनुकूल आर्थिक अवसर नहीं हैं। देश में पहले की तुलना में कहीं अधिक आकर्षक मौके बने हैं। अपनी किताब 'इंडियाञ्च100' में मैंने विस्तार से इसका उल्लेख भी किया है कि डालर के लिहाज से भारत की जीडीपी में सालाना 12 प्रतिशत तक की दर से वृद्धि करने की संभावनाएं हैं। किसी अर्थव्यवस्था में पेशेवरों का वेतन औसत जीडीपी विकास दर की तुलना में 25 प्रतिशत की दर से बढ़ता है। इसका अर्थ है कि जीडीपी 12 प्रतिशत बढ़ेगी तो पेशेवरों का वेतन 15 प्रतिशत सालाना की दर से बढ़ेगा।

इस 15 प्रतिशत बढ़ोतरी के लिहाज से देखें तो हर पांच साल में वेतन दोगुना हो जाएगा। औसत 40 साल के करियर में ऐसी बढ़ोतरी आठ बार मानकर चलें तो भारत में अपना करियर शुरू करने वाले पेशेवरों का वेतन डालर के संदर्भ में करीब 250 गुना हो जाएगा। इसके उलट अमेरिका की स्थिति देखें तो वहां जीडीपी विकास दर (5 प्रतिशत) कम होने से पेशेवरों का वेतन करीब 6.25 प्रतिशत की दर से बढ़ेगा। वहां 6.25 प्रतिशत की रफ्तार से वेतन में हर 12 साल पर ही वह दोगुना हो पाएगा।

यानी 40 साल के करियर में करीब तीन बार ही तनख्वाह दोगुनी होगी और समूचे करियर में केवल 10 गुना बढ़ोतरी का लाभ मिलेगा। इस तरह देखा जाए तो अगर भारत में शुरुआती तनख्वाह डालर के लिहाज से अमेरिका की चौथाई भी हो, तब भी अपने पूरे करियर में भारत में कमाने वाला पेशेवर डालर के हिसाब से अमेरिका से कहीं अधिक कमाई करने में सक्षम होगा। इसके अतिरिक्त भारत में अपना काम और बच्चों की परवरिश पर अधिक ध्यान दिया जा सकता है, क्योंकि घरेलू कार्यों के लिए मदद अपेक्षाकृत आसान होती है। अमेरिका जैसे देशों में ऐसी सुविधा बहुत मुश्किल होने के साथ ही अत्यंत महंगी भी है। निस्संदेह ये परिस्थितियां भारत को लेकर एक संभावनाशील परिदृश्य का निर्माण करती हैं, पर इसका लाभ उठाने के लिए भारत को शहरों में जीवनशैली बेहतर बनानी होगी। अन्यथा जो लोग भारत लौटने के बारे में सोच रहे हैं, वे भी दोबारा विदेश जाने की संभावनाएं तलाशने लगेंगे।

तमाम लोग भारत वापस आने से इसलिए हिचकते हैं, क्योंकि यहां शहरी ढांचा कमजोर है। सफर में समय अधिक लगता है। प्रदूषण बहुत ज्यादा है। ऐसे में सरकारों को चाहिए कि

वे शहरों को रहने के लिहाज से अनुकूल बनाएं ताकि अधिक से अधिक भारतीय प्रतिभाओं की स्वदेश वापसी हो सके। खासतौर से शहरों में एक जगह से दूसरी जगह जाने में लगने वाला समय बहुत दुखदायी हो जाता है। मुंबई, बेंगलुरु और दिल्ली जैसे शहरों में किफायती हेलीकाप्टर सेवाएं शुरू करने पर विचार किया जा सकता है, जो प्रमुख व्यावसायिक केंद्रों को जोड़ सकें।

पर्वतीय स्थलों विशेषकर तीर्थस्थलों पर रोपवे जैसी व्यवस्था भी शहरों के भीड़भाड़ वाले इलाकों में उपयोगी हो सकती है। किफायती होने के साथ ही इसमें जगह की भी जरूरत कम पड़ती है। इसके अलावा, ट्रैफिक का बोझ कम करने के लिए दफ्तरों के समय को भी लचीला बनाया जा सकता है। कंपनियां तीन शिफ्ट की पहल कर सकती हैं। एक सुबह 6 बजे से दोपहर 2 बजे तक, दूसरी 10 बजे से शाम 6 बजे तक और दोपहर 2 बजे से रात 10 बजे तक। इससे ट्रैफिक का दबाव समय-समय पर बंट जाएगा और आवाजाही सुगम होगी।

वायु प्रदूषण भी पेशेवरों की स्वदेश वापसी में बड़ा अवरोधक है। दिल्ली और बेंगलुरु विश्व के सबसे प्रदूषित शहरों की सूची में शामिल हैं। प्रदूषण का सीधा असर लोगों की सेहत और उत्पादकता पर पड़ता है। प्रदूषण से निपटने के लिए सरकारों को बीजिंग जैसे शहर के अनुभवों से सीख लेते हुए सख्त कदम उठाने होंगे। निजी क्षेत्र भी प्रदूषण घटाने वाली तकनीकों में निवेश करे।

जैसे इलेक्ट्रिक पब्लिक ट्रांसपोर्ट, उद्योगों में एमिशन कंट्रोल सिस्टम और एडवांस्ड एयर प्यूरीफायर टेक्नोलॉजी। पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप के जरिये स्वच्छ शहरों की संकल्पना को साकार किया जा सकता है। इसी तरह सौर और पवन ऊर्जा जैसे अक्षय ऊर्जा स्रोतों को अपनाने से प्रदूषण फैलाने वाले ईंधनों पर निर्भरता कम होगी। ऐसे में हरित ऊर्जा को अपनाने पर जोर दिया जाए। उसके प्रोत्साहन के लिए सब्सिडी दी जा सकती है।

शहरों में बड़े पैमाने पर पेड़ लगाना, ऊंची इमारतों पर वर्टिकल गार्डन और ग्रीन कारिडोर बनाना भी प्रदूषण घटाने और पर्यावरण को बेहतर बनाने में मददगार होंगे। सार्वजनिक परिवहन को उन्नत बनाने और सीवेज एवं कचरा प्रबंधन में आधुनिक तौर-तरीके अपनाना भी समय की आवश्यकता हो गई है। बढ़ती शहरी आबादी के लिए किफायती आवास सुविधाओं का विकास भी उतना ही आवश्यक है।

वर्तमान परिस्थितियों में भारत के पास ब्रेन ड्रेन यानी प्रतिभा पलायन के रुझान को पलटने का स्वर्णिम अवसर है। विदेश में रहने वाले बहुत से स्किल्ड प्रोफेशनल विभिन्न कारणों से स्वदेश वापसी के विकल्प पर गंभीरता से विचार कर रहे हैं। हालांकि इसे संभव बनाने के लिए केवल आर्थिक अवसर ही नहीं, बल्कि जीवन स्तर के पहलू भी निर्णायक होंगे। अगर सरकारें शहरों में सफर का समय घटाने, प्रदूषण से लड़ने और शहरी ढांचा बेहतर बनाने के प्रयास करें तो भारत के बड़े शहर वैश्विक प्रतिभाओं को लुभाने के केंद्र बन सकते हैं। यह केवल शहरों में निवेश नहीं, बल्कि भारत के भविष्य में निवेश होगा।

(लेखक आईएमएफ के कार्यकारी निदेशक, भारत सरकार के पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार हैं, जिनकी पुस्तक 'इंडिया@100' हाल में प्रकाशित हुई है)

देश/प्रदेश

रेल यात्रियों को सुरक्षा के लिए रेलवे ने चलाए कई ऑपरेशन

मॉर्निंग न्यूज @ जयपुर

रेलवे सुरक्षा बल द्वारा रेल यात्रियों, रेलवे परिसम्पत्तियों बच्चों एवं महिलाओं की सुरक्षा हेतु विभिन्न ऑपरेशन चलाए गए। उत्तर-पश्चिम रेलवे पर रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) द्वारा रेल यात्रियों, रेलवे परिसम्पत्तियों, बच्चों एवं महिलाओं की सुरक्षा हेतु विभिन्न प्रकार के आपरेशन चलाए जा रहे हैं।

उत्तर-पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शशि किरण के अनुसार उत्तर-पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक अमिताभ के कुशल मार्गदर्शन में रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) द्वारा मार्च 2025 में सेवा ही संकल्प के अन्तर्गत प्रमुख मुख्य सुरक्षा आयुक्त ज्योति कुमार सतीजा के कुशल नेतृत्व में निरन्तर अग्रसर रहकर रेलवे परिसर, रेल यात्रियों और बुनियादी ढांचे की सुरक्षा सुनिश्चित करने में समर्पण और दक्षता का उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है, जिसके तहत विभिन्न अभियानों में रेलवे सुरक्षा बल रेल यात्रियों को भिन्न-भिन्न तरीकों से सेवा प्रदान कर रही है। रेलवे सुरक्षा बल ने वर्तमान वर्ष 2025 में कुल 840 उत्कृष्ठ कार्य किए हैं।

ऑपरेशन सतर्क : *उत्तर-पश्चिम रेलवे क्षेत्राधिकार में माह मार्च में सवारी गाडियों/रेलवे स्टेशनो पर गहन चैकिंग के दौरान अजमेर स्टेशन पर एक व्यक्ति के पास भारी मात्रा में आभूषण, जिनका वजन करीबन 1.344 किग्रा होना बताया। उक्त व्यक्ति को राजकीय रेलवे पुलिस थाना अजमेर को सुपुर्द किया गया। वर्ष 2025 में अवैध शराब तस्करी के 39 मामलें डिटेक्ट कर कुल 05 लाख 35 हजार रुपए की अवैध शराब के साथ 18 आरोपियों को पकड़कर कानूनी कार्रवाई अमल में लाई गई है।*

ऑपरेशन नारकोस : *रेलवे सुरक्षा बल ने 'ऑपरेशन नारकोस' के तहत उत्तर-पश्चिम रेलवे क्षेत्राधिकार में माह मार्च में 03 मामलों में 37 किलोग्राम डोडा-चूरा कीमत 02 लाख 52 हजार रुपए के साथ तीन आरोपीयो को पकड़कर राजकीय रेलवे पुलिस को सौपा गया।*

ऑपरेशन जीवन रक्षा : *रेलवे सुरक्षा बल ने 'ऑपरेशन जीवन रक्षा' के तहत माह मार्च में उत्तर पश्चिम रेलवे के क्षेत्राधिकार में दो पुरुष व एक महिला यात्री को चलती गाड़ी से उतरने व चढ़ने के प्रयास में पैर फिसलने पर रेलवे सुरक्षा बल सदस्यों ने तत्परता व सूझबूझ से अपनी जान जोखिम में डालकर तीनो यात्रीयों की जान बचाकर सराहनीय कार्य किया। वर्ष 2025 में कुल 05 व्यक्तियों की जान बचाकर सराहनीय कार्य किया है।*

ऑपरेशन रेल प्रहरी : *रेलवे सुरक्षा बल ने 'ऑपरेशन रेल प्रहरी' के तहत उत्तर पश्चिम रेलवे क्षेत्राधिकार में साबरमति-दौलतपुर चौक एक्स. के स्लीपर कोच में आरोपी दीप साधु खान यात्रा कर रहा था। जिसके फोटो व केस डिटेल जरिए व्हाटसएप प्राप्त हुआ, जिस पर आरोपी को गाडी से उतारकर राजकीय रेलवे पुलिस को सुपुर्द किया गया।*

चाइल्ड हेल्प लाइन : *चाइल्ड हेल्प लाइन के माध्यम से उत्तर-पश्चिम रेलवे क्षेत्राधिकार मे 79 नाबालिग बालक व बालिकाए, जो अपने परिवार से बिछड़ कर अथवा घर से बिना बताए भाग कर आए, उनको सकुशल उनके परिजनों को सुपुर्द कर प्रसंशनीय कार्य किया।*

वर्ष 2025 में कुल 211 नाबालिग बालक व बालिकाओं को चाइल्ड हेल्प लाइन के माध्यम से परिजनों को सुपुर्द किया है।

सामाजिक समरसता के साथ मनेगा परशुराम जन्मोत्सव

मॉर्निंग न्यूज @ जयपुर। भगवान परशुराम जन्मोत्सव के अवसर पर पूजन समारोह को लेकर विप्र महासभा ने तैयारियां शुरू की। जन्मोत्सव समारोह को लेकर गुरुवार को आयोजन समिति की बैठक रखी गई। बैठक के बाद प्रथम पूज्य मोतीडूंगरी गणेशजी को आमंत्रित किया एव महंत कैलाश ने आयोजन को लेकर विप्र महासभा के पदाधिकारीयों से चर्चा की। हर वर्ष की भांति इस वर्ष

भी अक्षय तृतीया को सामाजिक समरसता के साथ भगवान परशुरामजी का जन्मोत्सव मनाया जाएगा। आयोजन को लेकर भव्य कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की गई है। इस अवसर पर विप्र महासभा के संस्थापक सुनील उदेईया, प्रदेश अध्यक्ष योगेंद्र भारद्वाज, प्रदेश परशुराम सेना राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल चतुर्वेदी, प्रदेश संयोजक सचिन आनंद शर्मा, महामंत्री जितेंद्र मिश्रा, युवा अध्यक्ष दीपेश मिश्रा, चिकित्सा प्रकोष्ठ प्रदेश अध्यक्ष डा. सोमेन्द्र सारस्वत, प्रदेश महामंत्री मनीष मुदगल, महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष हर्षिता शर्मा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष देवेंद्र शर्मा, जिलाध्यक्ष चंद्रमोहन गौतम, महासचिव डॉ. सुमित तिवारी सहित सभी पदाधिकारी मौजूद रहे।

राम कथा का सफलतम आयोजन

मॉर्निंग न्यूज @ जयपुर। कार्यक्रम में राम कथा वाचक सन्त मुरलीधर महाराज, सन्त कमलेश महाराज, संत राजू महाराज, संत अमरनाथ महाराज और परम गौ भक्त संत प्रकाश दास महाराज के आशीर्वचनों से कार्यक्रम सफल हुआ। साथ ही रामप्रसाद, उत्तम, राजेन्द्र, एसीपी विनोद शर्मा, प्रदेश मंत्री अशोक सैनी, एडवोकेट ओमप्रकाश, मंडल अध्यक्ष जगदीश, चेयरमैन अरुण, पार्षद गिरा, पार्षद अशोक, ब्रह्मप्रकाशजी, राजेंद्र पटेल, मनोज पांडे, सुशील शर्मा, मुकेश भारद्वाज, भानु गौतम, अजय पारीक, राहुल गौतम, मुकेश पटेल उपस्थित रहे और एक शाम गौ माता के नाम गो माता की पूजा कर व 11 कन्याओं का कन्या पूजन व भैरू बाबा का पूजन कर विधिवत शुरुआत की।

चिकित्सकों ने ऑटिज्म को समझना और जल्द उपचार के महत्व पर किया जागरुक

मॉर्निंग न्यूज @ जयपुर

विश्व ऑटिज्म दिवस पर फोर्टिस एस्कॉर्ट्स हॉस्पिटल जयपुर ने ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर के बढ़ते प्रचलन पर जोर दिया है, जो बच्चों को प्रभावित करने वाली एक न्यूरोडेवलपमेंटल स्थिति है, समय पर जांच, प्रारंभिक पहचान और हस्तक्षेप की महत्वपूर्ण आवश्यकता को रेखांकित करता है। प्रारंभिक अवस्था में एएसडी की पहचान करने से बच्चों को बेहतर संचार, सामाजिक और संज्ञानात्मक कौशल विकसित करने में मदद मिलती है, जिससे उनकी मुख्यधारा की शिक्षा और दैनिक जीवन में एकीकृत होने की क्षमता बढ़ती है।

भारत में, 10 वर्ष से कम आयु के लगभग 100 बच्चों में से 1 को ऑटिज्म का निदान किया जाता है, जिसका अर्थ है कि देश भर में लगभग 18 मिलियन व्यक्ति ऑटिज्म से पीड़ित हैं। हाल के अध्ययनों से संकेत मिलता है कि भारत की लगभग 3त्न आबादी ऑटिज्म स्पेक्ट्रम के कगार पर हो सकती है, जिससे यह एक बढ़ती हुई स्वास्थ्य चिंता बन गई है। इन आंकड़ों के बावजूद, सीमित जागरुकता, देरी से निदान और सामाजिक स्टिग्मा समय पर हस्तक्षेप और सहायता तक पहुंचने में बाधा डालते हैं। शोध से संकेत मिलता है कि शुरुआती हस्तक्षेप से काफी सुधार हो सकता है, जिससे ऑटिज्म से पीड़ित व्यक्ति अधिक स्वतंत्र हो सकते हैं। डॉ. शरद शर्मा ने कहा कि ऑटिज्म कोई बीमारी नहीं है, बल्कि दुनिया को अनुभव करने का एक अलग तरीका है। समय पर हस्तक्षेप करने से बच्चे की संवाद करने, सीखने और आवश्यक जीवन कौशल विकसित करने की क्षमता में महत्वपूर्ण अंतर आ सकता है। डॉक्टरों के रूप में, हमारा ध्यान माता-पिता और देखभाल करने वालों को शुरुआती लक्षणों की पहचान करने और बिना किसी डर या स्टिग्मा के चिकित्सकों की सहायता लेने के लिए सही अनुभव होना चाहिए।

ग्रीष्मावकश के लिए 3 जोड़ी स्पेशल रेलसेवाओं का संचालन

मॉर्निंग न्यूज @ जयपुर

रेलवे द्वारा ग्रीष्मावकाश पर यात्रियों की सुविधा हेतु 03 जोड़ी स्पेशल रेलसेवाओं का संचालन किया जा रहा है। जनसंपर्क अधिकारी शशि किरण के अनुसार गाड़ी संख्या 06157, चैन्नई-भगत की कोठी (जोधपुर) साप्ताहिक स्पेशल रेलसेवा 09.04.25 से 02.07.25 तक (13 ट्रिप) चैन्नई से प्रत्येक बुधवार को 19.45 बजे रवाना होकर शुक्रवार को 12.30 बजे भगत की कोठी पहुंचेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 06158, भगत की कोठी (जोधपुर)-चैन्नई साप्ताहिक स्पेशल रेलसेवा 12.04.25 से 05.07.25 तक (13 ट्रिप) भगत की कोठी से प्रत्येक शनिवार को 05.30 बजे रवाना होकर रविवार को 23.15 बजे चैन्नई पहुंचेगी। यह रेलसेवा मार्ग में सूलूरूपेटा, गुडूर, नेल्लूर, औंगोल, बिजयवाडा, खम्मम, वरंगल, बल्लारषाह, चन्द्रपुर, वर्धा जं., धामनगांव, बडनेरा, अकोला, मल्कापुर, भुसावल, जलगांव, नंदुरबार, उधना, अंकलेश्वर, वडोदरा, आणंद, साबरमती, हेसाना, पाटन, भीलडी, रानीवाड़ा, मारवाड़ भीनवाल, मोदरान, जालोर, मोकलसर, समदड़ी व लूनी स्टेशनों पर ठहराव करेगी। इस रेलसेवा में 01 सैकण्ड एसी, 02 थर्ड एसी, 12 द्वितीय शयनयान, 04 साधारण श्रेणी व 02 गार्ड डिब्बों सहित कुल 21 डिब्बे होंगे।

वहीं गाड़ी संख्या 06181, कोयम्बटूर-भगत की कोठी (जोधपुर) साप्ताहिक स्पेशल रेलसेवा 10.04.25 से 03.07.25 तक (13 ट्रिप) कोयम्बटूर से प्रत्येक गुरुवार को 02.30 बजे रवाना होकर शनिवार को 12.30 बजे भगत की कोठी पहुंचेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 06182, भगत की कोठी-कोयम्बटूर साप्ताहिक स्पेशल रेलसेवा 13.04.25 से 06.07.25 तक (13 ट्रिप) भगत की कोठी से प्रत्येक रविवार को 23.00 बजे रवाना होकर बुधवार को 09.30 बजे कोयम्बटूर पहुंचेगी।